अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : चतुर्थ – जैन धर्म मध्यमा (परीक्षा 12 जुलाई, 2015)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	10	24	36	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) ज्ञान के अतिचारों को पाठ है -

(क) इच्छामि ठामि का पाठ (ख) आगमे तिविहे का पाठ

(ग) इच्छामि णं भंते का पाठ (घ) अरिहंतो महादेवो का पाठ ( )

(b) बारह व्रतों के कितने अतिचार हैं : -

(क) 5 (ख) 60

(ग) 12 (घ) 15 ( )

(c) पन्द्रह कर्मादानों का उल्लेख कौन से व्रत में किया गया है : -

(क) दसवाँ व्रत (ख) ग्यारहवाँ व्रत

(ग) साँतवा व्रत (घ) नवमाँ व्रत ( )

(d) पौषध व्रत कम से कम कितने प्रकार के लिये ग्रहण किया जाता है-

(क) आठ प्रहर (ख) बारह प्रहर

(ग) पाँच प्रहर (घ) चार प्रहर ( )

(e) किस पाठ के द्वारा साधक चतुर्विध संघ से क्षमायाचना करते हुए मृत्यु का सहर्ष वरण करता है:-

(क) इच्छामि खमासमणो (ख) पाँच पदों की वन्दना

(ग) बड़ी संलेखना (घ) तस्स धम्मस्स ( )

(f) संज्वलन कषाय में मरने वाला जीव किस गति में जाता है?

(क) नरक गति (ख) तिर्यंच गति

(ग) मनुष्य गति (घ) देव गति ( )

(g) चारित्र मोहनीय कर्म के कितने भेद हैं -

(क) 02 (ख) 09

(ग) 16 (घ) 28 ( )

(h) 'मेरे अन्तर भया प्रकाश' प्रार्थना के रचयिता हैं : -

(क) आचार्य श्री हीरा (ख) आचार्य श्री हस्ती

(ग) आचार्य श्री रामेश (घ) मुनि श्री गौतम ( )

(i) भगवान शान्तिनाथ को केवलज्ञान की प्राप्ति कब हुई ?

(क) पौष शुक्ला दशमी (ख) पौष कृष्णा दशमी

(ग) पौष शुक्ला नवमी (घ) पौष कृष्णा नवमी ( )

(j) सर्दी में कितने प्रहर तक गर्म पानी अचित्त रह सकता है : -

(क) चार प्रहर (ख) तीन प्रहर

(ग) पाँच प्रहर (घ) आठ प्रहर ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1=(10)**

(a) सुदेव, सुगुरु, सुधर्म रूप सम्यक्त्व, मोक्ष का मार्ग है । ( )

(b) दंसण समत्त पाठ में चार श्रद्धानों का उल्लेख किया गया है। ( )

(c) झूठी साक्षी देना तीसरे अणुव्रत का एक अतिचार है। ( )

(d) अरिहंत भगवान 12 गुणों से युक्त होते हैं। ( )

(e) ''वस्तु के सामान्य धर्म को जानना "दर्शन" कहलाता है। ( )

(f) साता वेदनीय कर्म 8 प्रकार से बंधता है तथा दस प्रकार से भोगा जाता है। ( )

(g) सातवीं नारकी में जीव 5 उपयोग लेकर जाते हैं। ( )

(h) वेदनीय कर्म के उदय से ओघ संज्ञा उत्पन्न होती है । ( )

(i) भगवान शान्तिनाथ के धर्म परिवार में 36 गण एवं गणधर थे। ( )

(j) खुले मुँह बोलने से तेऊकाय के जीवों की विराधना होती है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1=(10)**

(a) मेरे पाठ से साधक सभी जीवों से क्षमायाचना करता है। .....

(b) मैं 36 गुण एवं आठ सम्पदा सहित हूँ। .....

(c) अनन्त आत्म-सामर्थ्य मेरा एक गुण है। .....

(d) मेरे पाठ से अनर्थ में होने वाली पाप क्रियाओं का त्याग किया जाता है। .....

(e) मेरे कर्म के प्रभाव से जीव विविध पर्यायों का अनुभव करता है। .....

(f) मैं ऐसा कर्म हूँ, जो छह प्रकार से बंधता हूँ तथा 28 प्रकार से उदय में आता हूँ।.....

(g) मैं ऐसा कर्म हूँ, जिसका उत्कृष्ट अबाधाकाल 7 हजार वर्ष है। .....

(h) मैं ऐसी संज्ञा हूँ जिसमें व्यक्ति बिना प्रयोजन के पेड़ पर
चढ़ जाता है, तिनके तोड़ता है, आदि। .....

(i) मेरे गर्भ में आते ही महामारी का भयंकर प्रकोप शान्त हो गया। .....

(j) मेरा त्याग करने से साधक अनन्त जीवों की विराधना से सहज ही बच सकता है।.....

प्र.4 निम्नलिखित जोड़ियां मिलान कर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए : - **10x1=(10)**

(a)	घोसहीणं	-	तीजा अणुव्रत	.....
(b)	विरुद्धरज्जाइक्कमे	-	बड़ी संलेखना	.....
(c)	संजुत्ताहिगरणे	-	उपांग	.....
(d)	अणवकंखमाणे	-	देवसिय पायच्छित्त का पाठ	.....
(e)	वण्हिदसा	-	आठवाँ अणुव्रत	.....
(f)	पाँचवाँ आवश्यक	-	आगमे तिविहे	.....
(g)	स्त्रीवेद	-	04	.....
(h)	नरकायु के कारण	-	अशुभ नाम कर्म	.....
(i)	काया की वक्रता	-	नोकषाय मोहनीय	.....
(j)	नींव आदि खुदवाना	-	पृथ्वीकाय	.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए : - **12x2 = (24)**

(a) **99 अतिचारों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।**

.....

.....

.....

(b) **पाँचवें अणुव्रत के कोई चार अतिचारों का उल्लेख कीजिए।**

.....

.....

.....

(c) **सिद्ध भगवान के आठ गुण क्रम से लिखिए।**

.....

.....

.....

(d) **चार छेद कौन-कौन से हैं? नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

(e) **आयु कर्म को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए।**

.....

.....

.....

(f) **प्रत्येक प्रकृति (नामकर्म) के आठ भेदों को क्रम से लिखिए।**

.....

.....

.....

(g) **तिर्यंचायु के चार कारण लिखिए।**

.....

.....

.....

(h) **भगवान शान्तिनाथ को केवलज्ञान की प्राप्ति कैसे हुई?**

.....

.....

.....

.

(i) **भगवान शान्तिनाथ के धर्मपरिवार में कितने साधु-साध्वी, श्रावक एवं श्राविका थीं ?**

.....

.....

.....

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(j) **"ममता से** .....

.....

..... **वह पाश"।**

(k) **चारों ओर** .....

.....

.....**तुल्य बनाओ"।**

(l) **बोधि बीज** .....

.....

.....**रस बरसाओ''।**

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दीजिए: - **12x3=(36)**

(a) **पाँचवें आवश्यक की विधि क्रम से लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(b) **समुच्चय पच्चक्खाण का पाठ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(c) **अरिहंत भगवान के 12 गुणों का क्रम से उल्लेख कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(d) **बड़ी संलेखना के पाठ का सारांश लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(e) **सातवें व्रत के 26 बोलों को क्रम से लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(f) **प्रतिक्रमण का संक्षिप्त पाठ किसे कहते हैं और क्यों।**

.....

.....

.....

.....

.....

(g) **"सचित्त ..... भत्तेसु।"**

उक्त गाथा को पूर्ण करते हुए चौदह नियम के नियमित पालन का फल भी लिखिए।

.....
.....
.....
.....
.....

(h) **श्रावक के तीन मनोरथ का उल्लेख किस सूत्र में किया गया है? पहले मनोरथ को लिखिए।**

.....
.....
.....
.....
.....

(i) **भगवान शान्तिनाथ के जीवन से हमें क्या-क्या शिक्षाएँ मिलती हैं?**

.....
.....
.....
.....
.....

(j) **"रोग ..... खास।" पूर्ण करके लिखिए।**

.....
.....
.....
.....
.....

(k) **संवर ग्रहण करने का पाठ लिखिए।**

.....
.....
.....
.....
.....

(l) **जमीकन्द त्याग के कोई तीन लाभ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....